

**Shri P. S. Naskar:** It is not a question of delay. Whatever the military authorities wanted. . .

**Mr. Speaker:** He has the information or not?

**Shri P. S. Naskar:** I do not have the exact number.

**Shri D. J. Naik:** May I know if any private hospitals offered their services for the treatment of our soldiers and if so, how many hospitals?

**Shri P. S. Naskar:** As I said earlier, all the possible help that was needed by the military authorities were given. I cannot give details.

**व्यापारियों द्वारा प्राय-कर प्रपबंधन**

\* 38. श्री डा० ना० तिवारी : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह मन्त्र है कि कई व्यापारी 'खूना खाना' मन्त्र रहे हैं जिसमें प्राय-कर का प्रपबंधन करने अथवा उसकी प्रदायगी में विलम्ब करने के लिए खातों में भविष्य में घटल बटन किया जा सके; और

(ख) यदि हां, तो इस कदाचार को रोकने के लिए सरकार ने क्या उपाय किये हैं ?

वित्त मंत्रालय में उरमंत्रो (श्री रामेश्वर साहू) : (क) व्यापारी नेखा-बर्ष की आखिरी तारीख को खाते बन्द नहीं कर देते लेकिन प्रतियम स्टॉक का मूल्य और बकाया देनदारियां आदि का जमाखर्च करने के लिए उन्हें खूसा रखते हैं। विभाग इस बात से अनभिज्ञ नहीं है कि इस प्रथा का दुष्प्रयोग किया जा सकता है।

(ख) खाते खुले रखने से होने वाले राजस्व की हानि को रोकने के लिए उठाये

गये महत्वपूर्ण कदम ये हैं —

(1) व्यापार-न्याताओं में प्रवेश करने तथा चालू बहियों पर भी पहिचान चिह्न लगाने की शक्ति का प्रयोग;

(2) आखिरी इन्दराज और बाढ़ में की गई इन्दराज का खास ध्यान रखते हुए खातों की छानबीन करना;

(3) ग्रामदनी का विवरण पेश करने में देरी के लिए प्रायकर अधिनियम में की गई दण्ड-व्यवस्था का प्रयोग।

श्री डा० ना० तिवारी : अभी मंत्री महोदय ने कहा कि व्यापारियों द्वारा खुले खाते रख कर उनके द्वारा जो इनकमटैक्स का इवज्जन होता है उस को रोकने के लिए उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाती है तो मैं जानना चाहता हूँ कि कितने केसेज में सन् 1964-65 के दौरान यह कार्यवाही की गई है और उनमें कितने रूपयों के गोलमान का पता लगा है ?

श्री रामेश्वर साहू : उसके लिए अलहदा से सूचना चाहिये।

श्री डा० ना० तिवारी : क्या सरकार को मालूम है कि बड़े बड़े बिजनेसमैन दो-दो और तीन-तीन खाते बहियां रखते हैं। एक रखते हैं इनकमटैक्स में दिखाने के लिए और दूसरा रखते हैं अपनी निर्मा जानकारी के लिए और ऐसी बहियों को बना कर इनकमटैक्स का कितना रूपया मारने का उनका प्रबन्ध या क्या इस का कोई पता लग सका है ?

योजना मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : वह दो किताबें रखते हैं या तीन रखते हैं सवाल यह नहीं था बल्कि सवाल तो यह था कि वह खाते बंद होने के दिन के बाद भी उसे थोड़े दिन तक खुला रखते हैं और उस से दुष्प्रयोग होता है। अब इस प्रथा के दुष्प्रयोग को रोकने के वास्ते इनकमटैक्स आफिसर को हमेशा अधिकार होता है कि जब भी वह चाहे जा कर उनके खातों को देख सकता है,

बाच प्रीर-पड़ताल कर सकता है और अगर उन में कोई गड़बड़ी की गई हो तो उसे वह पकड़े और केम चलाये। दूसरी बात यह है कि हमारा आदेश है कि जितनी भी इंड्रीज बाद में हुई हैं खाते बंद होने के बाद उन पर हम गहरी छानबीन करने का आदेश करते हैं ताकि चोरी छिपी की हुई चीज व गड़बड़ी को पकड़ा जा सके।

श्री डा० ना० तिवारी : यह मेरे प्रश्न का जवाब नहीं हुआ। मैंने पूछा था कि . . . . .

अध्यक्ष महोदय : आपने कहा था कि दो खाते रखते हैं एक अपनी जानकारी के लिए और दूसरा इनकमटैक्स वालों को दिखाने के लिए होता है और इस तरह सरकार को काफ़ी इनकमटैक्स का नुकसान होता है और आपने यह जानना चाहा था कि उनसे पूरा इनकमटैक्स वसूल किया जा सके इस के लिए सरकार क्या कार्यवाही करती है ?

श्री डा० ना० तिवारी : जो खाते खुले रखते हैं, बंद नहीं करते उसी साल में और एक खाता बंद करने हैं इनकमटैक्स वालों को दिखलाने के लिए लेकिन दूसरा अपना खुला रखते हैं इसकी उनको कोई जानकारी है या नहीं ?

एक माननीय सदस्य : दूसरा खाता तो हमेशा खुला रहेगा।

श्री राम सहाय पाण्डेय : क्या वित्त मंत्री महोदय का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया गया है कि बहुत से व्यापारी व्यापार के बड़े क्षेत्रों में अपने लाभ को बाटे में बेच देते हैं और बाटा खरीद लेते हैं और इस तरीके से अपने लाभ को बाटे में परिवर्तित करते हैं और इससे उनका इनकमटैक्स की उदायगी में बचाव होता है उसे रोकने के लिए सरकार क्या उपाय करने जा रही है ?

श्री डा० रा० भगत : जैसा मैंने कहा अगर खाता बंद होने के बाद इंड्रीज होगी तो इसके लिए इनकमटैक्स आफिसमें को यह आदेश है कि वे उनकी छानबीन कर सकें और उस गड़बड़ को पकड़ कर उसके विरुद्ध कार्यवाही कर सकें।

श्री यशपाल सिंह : जैसे कि पिछली दफ़ा इस सदन में चर्चा चली थी कि इनकमटैक्स का बकाया घाट भरव रूपया है, पूजीपतियों ने घाट भरव रूपया मार रक्खा है तो मैं जानना चाहता हूँ कि उसमें इजाफ़ा हुआ है या कमी हुई है और यह कि वह कब तक वसूल होगा ?

अध्यक्ष महोदय : यहाँ तो खाली खाते खुले रखने का सवाल है।

Shri S. M. Banerjee: I would like to know whether it has been brought to the notice of the hon. Minister that by maintaining two books and by falsifying accounts, the Kanpur firms traded Rs. 50 lakhs which has recently been unearthed by the income-tax officers, and I would like to know how many businessmen are involved in Kanpur for maintaining two books, and.....

Mr. Speaker: That question of two books is not involved. He has answered about keeping the account books open. That was the question that was involved here.

Shri S. M. Banerjee: That is true, Sir, but subsequently, Shri Tiwary put the question.....

Mr. Speaker: That, I did not allow.

श्री रमेशचरणम्ब : क्या मंत्री महोदय को यह भी पता है कि यह खातों का निरीक्षण करने वाले उनके सरकारी अधिकारियों का प्रत्येक व्यापारी के साथ एक मासिक रकम बंधी हुई है, यदि हाँ, तो क्या ऐसे घाट इस्पेक्टरों के खिलाफ भी आप कोई कदम उठा रहे हैं ताकि यह रिश्तलखोरी बंद हो

सके ? अगर उन के लिए कोई सूचना दे तो प्राणकी इस बारे में क्या प्रतिक्रिया होगी ?

श्री ब० रा० भगत : सूचना मिलने पर दोरी सरकारी प्राधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जायगी ।

श्री रामेश्वरानन्द सूचना तो मैं दे देता हूँ ।

श्री रामेश्वर साहू : ठीक है सूचना मिलिये हम उस पर ऐक्शन लेंगे ।

**Shrimati Savitri Nigam:** The hon. Deputy Minister has stated that a few steps have been taken in order to fight this new way of indulging in dishonesty. I want to know whether any impact has been made or any improvement has been made by the new steps taken by them.

**Shri B. R. Bhagat:** It is a continuing problem and we review it and we are trying to exercise authority and see what malpractice is nipped in the bud.

#### Installation of Statues of Leaders in Delhi

- \*40. **Shri Hari Vishnu Kamath:**  
**Shri Ram Sewak Yadav:**  
**Shri Madhu Limaye:**  
**Shri Bagri:**  
**Shri D. C. Sharma:**

Will the Minister of Works and Housing be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 92 on the 19th August, 1965 regarding installation of statues of leaders in Delhi and state:

(a) whether the matter has since been considered by the Committee; and

(b) if so, with what result?

**The Minister of Works and Housing (Shri Mehr Chand Khanna):** (a) and (b). The first meeting of the Committee for the Installation of Statues in Delhi was held on the 25th September, 1965. A sub-Committee

was appointed to suggest possible sites for statues of national leaders. The report of the sub-Committee has been received. It will be discussed at the next meeting of the Committee which is scheduled to take place on the 6th November, 1965.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** May I remind the Minister of the assurances that he gave in the last session that the committee to consider this important matter would consist not merely of Congress representatives of Parliament but that all parties would be represented on the committee and, if so, how is it that the committee constituted by Government has, among its members, two Congress Members and one Independent Member, and not a single Opposition party is represented on that committee?

**Shri Mehr Chand Khanna:** This Committee comprises of only eight to ten members. (*Interruption*). May I proceed please? Of them, there are three MPs. I have taken these three MPs...

**Mr. Speaker:** The only question is that one Member taken from the Opposition is an Independent Member and not from any recognised group.

**Shri Mehr Chand Khanna:** I wrote to the Minister of Parliamentary Affairs, and on his advice—(*Interruption*). They do not allow me to answer. I wrote to the Minister of Parliamentary Affairs and the three names suggested by him have been taken by me.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** May I invite your attention to the fact that you yourself, when you constituted the committee for the portraits in Parliament House have taken care to include all the party leaders in Parliament, but the Government is so very apathetic and indifferent—and it has committed an outrage on parliamentary decency—that there is not a single Opposition Member represented on this committee. Why is it? I request